अर्द्धवार्षिक परीक्षा प्रतिदर्श प्रश्न-पत्र

सामान्य हिन्दी

कक्षा–12

निर्देश—प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।

नोट : (i) सम्पूर्ण प्रश्नपत्र **दो भागों - खण्ड 'क'** तथा **खण्ड 'ख'** में विभाजित है

(ii) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

.....

खण्ड 'क'

1. (क) 'नागरी प्रचारिणी सभा' की स्थापना हुई थी— [1]

(i) प्रगतिवाद युग में (ii) भारतेन्दु युग में

(iii) छायावादी युग में (iv) छायावाद युग में।

(ख) 'बंगाल का अकाल' की विधा है— [1]

(i) डायरी (ii) रिपोर्ताज

(iii) जीवनी (iv) संस्मरण

(ग) 'कुटज' निबन्ध के लेखक हैं— [1]

(i) सदल मिश्र (ii) मोहन राकेश

(iii) सरदार पूर्णसिंह (iv) हजारीप्रसाद द्विवेदी।

(घ) 'ब्राह्मण' पत्रिका के सम्पादक थे— [1]

(i) प्रतापनारायण मिश्र

(ii) बालमुकुन्द गुप्त

(iii) राधाचरण गोस्वामी

(iv) बदरीनारायण चौधरी 'प्रेमघन'।

(ङ) 'गोरा बादल की कथा' के लेखक हैं— [1]

(i) बच्चन

(ii) जलमल

(iii) वासुदेवशरण अग्रवाल

(iv) प्रेमचन्द।

2. (क) छायावाद की विशेषता है— [1]

(i) उपदेशात्मक वृत्ति (ii) इतिवृत्तात्मकता

(iii) सौन्दर्य और प्रेम (iv) शृंगार वर्णन।

(ख) निम्नलिखित में से 'किशोरीलाल गोस्वामी' की रचना है— [1]

(i) 'चुभते चौपदे' (ii) 'रस कलश'

(iii) 'वैदेही वनवास' (iv) 'इन्दुमती'।

(ग) 'हिन्दी प्रदीप' किस काल की रचना है? [1]

(i) आदि काल (ii) भक्ति काल

(iii) रीति काल (iv) आधुनिक काल।

(घ) 'ज्ञानाश्रयी शाखा' के कवि हैं— [1]

(i) परमानन्ददास (ii) गोविन्द स्वामी

(iii) ईश्वरदास (iv) कबीरदास।

(ङ) निम्नलिखित में एक चम्पू काव्य है— [1]

(i) 'पंचवटी' (ii) 'द्वापर'

(iii) 'यशोधरा' (iv) 'सिद्धराज'

3. दिए गए गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए [5 × 2 = 10]

राष्ट्र का तीसरा अंग जन की संस्कृति है। मनुष्यों ने युगों-युगों में जिस सभ्यता का निर्माण किया है वही उसके जीवन की श्वास-प्रश्वास है। बिना संस्कृति के जन की कल्पना कबंधमात्र है; संस्कृति ही जन का मस्तिष्क है। संस्कृति के विकास और अभ्युदय के द्वारा ही राष्ट्र की वृद्धि सम्भव है। राष्ट्र के समग्र रूप में भूमि और जन के साथ-साथ जन की संस्कृति का महत्त्वपूर्ण स्थान है। यदि भूमि और जन अपनी संस्कृति से विरहित कर दिए जाएँ तो राष्ट्र का लोप समझना चाहिए। जीवन के विटप का पुष्प संस्कृति है। संस्कृति के सौन्दर्य और सौरभ में ही राष्ट्रीय जन के जीवन का सौन्दर्य और यश अन्तर्निहित है। ज्ञान और कर्म दोनों के पारस्परिक प्रकाश की संज्ञा संस्कृति है।

(i) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) राष्ट्र के समग्र रूप में भूमि और जन के साथ-साथ किसका महत्त्वपूर्ण स्थान है?

(iv) कब राष्ट्र का लोप समझना चाहिए?

(v) संस्कृति के सौन्दर्य और सौरभ में क्या अन्तर्निहित है?

अथवा मगर उदास होना बेकार है। अशोक आज भी उसी मोज में है, जिसमें आज से दो हजार वर्ष पहले था। कहीं भी तो कुछ नहीं बिगड़ा है, कुछ भी तो नहीं बदला है। बदली है मनुष्य की मनोवृत्ति। यदि बदले बिना वह आगे बढ़ सकती तो शायद वह भी नहीं बदलती। और यदि वह न बदलती और व्यावसायिक संघर्ष आरम्भ हो जाता—मशीन का रथ घर्घर चल पड़ता-विज्ञान का सावेग धावन चल निकलता तो बड़ा बुरा होता।

(i) लेखक के अनुसार किसमें परिवर्तन हुआ है?

(ii) रेखांकित अंशों की व्याख्या कीजिए।

(iii) 'मनोवृत्ति' और 'धावन' शब्दों का आशय लिखिए।

(iv) अशोक आज भी उसी मौज में क्यों है?

(v) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ का शीर्षक और उसके लेखक का नाम लिखिए।

4. दिए गए पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए— [5 × 2 = 10]

सूखी जाती मलिन लतिका जो धरा में पड़ी हो।
तो पाँवों के निकट उसको श्याम के ला गिराना।।
यों सीधे से प्रकट करना प्रीति से वंचित हो।
मेरा होना अति मलिन और सूखते नित्य जाना।।

कोई पत्ता नवल तरु का पीत जो हो रहा हो।
तो प्यारे के दृग युगल के सामने ला उसे ही।।
धीरे-धीरे सँभल रखना और उन्हें यों बताना।
पीला होना प्रबल दुख से प्रोषिता-सा हमारा।।

(i) उपर्युक्त पद्यांश के शीर्षक और कवि का नाम लिखिए।
(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(iii) "यों सीधे से प्रकट करना प्रीति से वंचिता हो।" इस पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए।
(iv) किसी सूखी लता के सन्दर्भ में राधिका पवन-दूतिका से क्या कह रही हैं?
(v) सूखी लता को श्रीकृष्ण के चरणों में गिरवाकर राधिका उन्हें क्या दर्शाना चाहती हैं?

अथवा चाँदनी रात का प्रथम प्रहर,
हम चले नाव लेकर सत्वर।
सिकता की सस्मित सीपी पर मोली की ज्योत्स्ना रही विचर
लो, पालें चढ़ी, उड़ा लंगर!
मृदु मन्द-मन्द, मन्थर-मन्थर, लघु तरणि, हंसिनी-सी सुन्दर,
तिर रही, खोल पालों के पर!
निश्चल जल के शुचि दर्पण पर बिम्बित हो रजत पुलिन निर्भर
दुहरे ऊँचे लगते क्षण भर!
कालाकाँकर का राजभवन सोया जल में निश्चित, प्रमन
पलकों पर वैभव-स्वप्न सघन!

(i) उपर्युक्त पद्यांश के पाठ और कवि का नाम लिखिए।
(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(iii) कवि नौका-विहार के लिए कब निकला?
(iv) गंगा के तट के सौन्दर्य का वर्णन करते हुए कवि क्या कहते हैं?
(v) गंगा के तट पर स्थित राजभवन के सौन्दर्य का कवि ने किस प्रकार वर्णन किया है?

5. (क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) [3 + 2 = 5]

(i) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी,
(ii) प्रो० जी० सुन्दर रेड्डी,
(iii) वासुदेवशरण अग्रवाल।

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) [3 + 2 = 5]

(i) सुमित्रानन्दन पन्त,
(ii) जयशंकर प्रसाद,
(iii) मैथिलीशरण गुप्त।

6. 'पंचलाइट' ***अथवा*** 'ध्रुवयात्रा' कहानी का सारांश लिखिए। (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) [5]

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक खण्ड के एक प्रश्न का उत्तर दीजिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) [5]

(i) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य में आजाद हिन्द सेना की भूमिका पर प्रकाश डालिए।

अथवा 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के आधार पर गांधी जी (नायक) की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(ii) 'आलोक-वृत्त' खण्डकाव्य के द्वितीय सर्ग का सारांश लिखिए।

अथवा 'आलोक-वृत्त' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(iii) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य का कथानक संक्षेप में लिखिए।

अथवा 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के प्रधान पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(iv) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'कुन्ती' का चरित्र-चित्रण कीजिए।

अथवा 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के प्रथम सर्ग का सारांश लिखिए।

(v) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के 'अयोध्या' सर्ग का सारांश लिखिए।

अथवा 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के नायक की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(vi) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

अथवा 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के आधार पर हर्षवर्धन का चरित्रांकन कीजिए।

खण्ड 'ख'

8. (क) दिए गए संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए : **[2 + 5 = 7]**

याज्ञवल्क्य उवाच—न वा अरे मैत्रेयि! पत्युः कामाय पतिः प्रियो भवति। आत्मनस्तु वै कामाय पतिः प्रियो भवति। न वा अरे, जायायाः कामाय जाया प्रिया भवति, आत्मनस्तु वै कामायं जाया प्रिया भवति। न वा अरे, पुत्रस्य वित्तस्य च कामाय पुत्रो वित्तं वा प्रियं भवति, आत्मनस्तु वै कामाय पुत्रों वित्तं वा प्रियं भवति। न वा अरे, सर्वस्य कामाय सर्वं प्रियं भवति, आत्मनस्तु वै कामाय सर्वं प्रियं भवति।

अथवा अतीते प्रथमकल्पे जनाः एकमभिरूपं सौभाग्यप्राप्तं सर्वाकारपरिपूर्णं पुरुषं राजानमकुर्वन्। चतुष्पदा अपि सन्निपत्य एकं सिहं राजानमकुर्वन्। ततः शकुनिगणाः हिमवत् प्रदेशे एकस्मिन् पाषाणे सन्निपत्य 'मनुष्येषु राजा प्रज्ञायते तथा चतुष्पदेषु च । अस्माकं पुनरन्तरे राजा नास्ति। अराजको वासो नाम न वर्तते। एको राजस्थाने स्थापयितव्यः इति उक्तवन्तः। अथ ते परस्परमवलोकयन्तः एकमुलूकं दृष्ट्वा 'अयं नो रोचते' इत्यवोचन्।

(ख) दिए गए श्लोकों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए— **[2 + 5 = 7]**

सुखार्थिनः कुतो विद्या कुतो विद्यार्थिनः सुखम्।
सुखार्थी वा त्यजेद् विद्यां विद्यार्थी वा त्यजेत् सुखम्।।

अथवा काव्य-शास्त्र-विनोदेन कालो गच्छति धीमताम्।
व्यसनेन च मूर्खाणां निद्रया कलहेन वा।।

9. निम्नलिखित मुहावरों और लोकोक्तियों में से किसी एक का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए— **[1 + 1 = 2]**

(i) अपने पैरों पर खड़ा होना।

(ii) दूर के ढोल सुहावने।

(iii) अँगारे बरसाना।

(iv) पत्ता काटना।

10. (क) निम्नलिखित शब्दों के सन्धि-विच्छेद के सही विकल्प का चयन कीजिए—

(i) 'हिमालयः' का सन्धि-विच्छेद है— **[1]**

(अ) हिमा + लयः (ब) हि + मालयः

(स) हिम + आलयः (द) हिमा + आलयः

(ii) 'नायक:' का सन्धि-विच्छेद है— [1]

(अ) ने + इक: (ब) नाय + क:

(स) ने + अक: (द) ना + अक:

(iii) 'अत्याचार' का सही सन्धि-विच्छेद है— [1]

(अ) अत्य + आचार: (ब) अति + आचार:

(स) अत + आचार: (द) अ + त्याचार:।

(ख) दिए गए निम्नलिखित शब्दों की 'विभक्ति' और 'वचन' के अनुसार सही चयन कीजिए—

(i) 'आत्मानम्' शब्द में विभक्ति और वचन है— [1]

(अ) द्वितीया विभक्ति, एकवचन

(ब) पंचमी विभक्ति, द्विवचन

(स) सप्तमी विभक्ति, एकवचन

(द) चतुर्थी विभक्ति, बहुवचन।

(ii) हरय:— [1]

(अ) तृतीया, एकवचन

(ब) प्रथमा, बहुवचन

(स) पञ्चमी, द्विवचन

(द) सप्तमी, बहुवचन

11.(क) निम्नलिखित शब्द-युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए—

(i) तरणि-तरणी— [1]

(अ) सूर्य और नाव (ब) सूरज और चन्दा

(स) नाव और स्त्री (द) तरना और स्त्री

(ii) कटिबन्ध-कटिबद्ध— [1]

(अ) फेटा और तैयार

(ब) करधनी और तैयार

(स) तैयार और बाजूबन्द

(द) उद्यत और उद्धत।

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो अर्थ लिखिए—

[1 + 1 = 2]

(i) कमल (ii) वाण

(iii) संज्ञा।

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक शब्द का चयन करके लिखिए—

(i) जिसको क्षमा न किया जा सके— [1]

(अ) अक्षम्य (ब) अक्षय

(स) अक्षी (द) अक्षाम।

(ii) फेंककर चलाया जाने वाला हथियार— [1]

(अ) शस्त्र (ब) हस्त्र

(स) अस्त्र (द) ओस्त्र।

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए— [1 + 1 = 2]

(i) गौतम की पत्नी का नाम अहिल्या था।

(ii) वह प्रात:काल के समय आया था।

(iii) इस घटना की परीक्षा होनी चाहिए।

(iv) महादेवी वर्मा हिन्दी की प्रसिद्ध कवित्री थीं।

12.(क) 'शृंगार रस' ***अथवा*** 'वीर रस' का स्थायी भाव के साथ उसकी परिभाषा ***अथवा*** उदाहरण लिखिए। [1 + 1 = 2]

(ख) 'अनुप्रास' अलंकार ***अथवा*** 'उत्प्रेक्षा' अलंकार का लक्षण उदाहरण सहित लिखिए। [1 + 1 = 2]

(ग) 'सोरठा' छन्द ***अथवा*** 'चौपाई' छन्द का लक्षण और उदाहरण लिखिए। [1 + 1 = 2]

13. बिजली-समस्या के निराकरण हेतु अपने जिले के बिजली विभाग को एक शिकायती पत्र लिखिए। [2 + 4 = 6]

अथवा अपने जनपद के किसी विद्यालय में शिक्षक (प्रवक्ता) के रूप में कार्य करने के लिए अपना आवेदन-पत्र विद्यालय-प्रबन्धक को प्रस्तुत कीजिए।

14. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए– [9]

(i) वन-सम्पदा

(ii) गंगा प्रदूषण

(iii) छात्र और अनुशासन

(iv) युवा वर्ग और बेरोजगारी।